



दुर्ग, दिनांक 10.10.2022

प्रेस विज्ञप्ति

/विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस/

World Mental Health Day

वर्तमान जीवन शैली के अनेक दुष्परिणामों में से मानसिक रोग वह अस्वस्था है, जिसके बारे में अधिकतर लोग अंजान है। लोगों को या तो पता ही नहीं होता या वो ये मानने को ही तैयार नहीं होते की उन्हें किसी प्रकार का मानसिक रोग है और उन्हें इसके लिए किसी विशेषज्ञ की आवश्यकता है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील और जागरूक किये जाने के उद्देश्य से इस दिवस का आयोजन किया जाता है। स्वस्थ शरीर के साथ स्वस्थ मन का होना आवश्यक है, तभी हम अपने जीवन लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। गृहविज्ञान की सहायक प्राध्यापक डॉ० अल्का दुग्गल ने कहा कि महिलाओं में अधिकतर मानसिक रोग होते हैं परंतु वो इस ओर ध्यान नहीं देती है जिसका मुख्य कारण उनके अंदर डर और भय का होना होता है। इसलिए ये आवश्यक है कि इन मानसिक रोगों के लक्षणों के बारे में जानकारी होनी चाहिए।

डॉ० रेशमा लाकेश, सहायक प्राध्यापक, गृहविज्ञान ने बताया कि इस वर्ष की थीम “एक असामन दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य” पर आधारित है। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है, रेडक्रास वालेंटिसर्ड इस हेतु हमेशा सजग हैं।

महाविद्यालय की छात्राओं ने भी अपने विचार रखें जिसमें नूतन नेताम, परमेश्वरी, कविता साहू, अम्बिका, शिल्पी शर्मा, उमेश्वरी, मनीषा, महक, संगीता सिंह, निकिता। इस अवसर पर छात्राओं ने ‘ओम’ का उच्चारण करने की प्रक्रिया का अभ्यास किया। कार्यक्रम का संचालन तब्बसुम ने किया।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ० एस० सी० तिवारी)
प्राचार्य

शास० डॉ० वा० पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ०ग०)

